[This question paper contains 8+2 printed pages]

आपका अनुक्रमांक.....

2706

B.A. (Programme)/II **D-I**

HINDI DISCIPLINE—Paper II

हिंदी अनुशासन प्रश्न-पत्र II

हिंदी गद्य विधाएँ, उपन्यास और हिंदी गद्य

साहित्य का परिचयात्मक इतिहास)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 2×12

(क) प्रवृत्ति के विचार से करुणा का उल्टा क्रोध है । क्रोध जिसके प्रति उत्पन्न होता है उसकी हानि की चेष्टा की जाती है । करुणा जिसके प्रति उत्पन्न होती है उसकी भलाई का उद्योग किया जाता है । किसी पर प्रसन्न होकर भी लोग उसकी भलाई करते हैं । इस प्रकार

P.T.O.

पात्र की भलाई की उत्तेजना दुख और आनन्द दोनों की श्रेणियों में रखी गई हैं । आनन्द की श्रेणी में ऐसा कोई शुद्ध मनोविचार नहीं है जो पात्र की हानि की उत्तेजना करे, पर दुख की श्रेणी में ऐसा मनोविकार है जो पात्र की भलाई की उत्तेजना करता है ।

अथवा

कौन कहता है कि बंगाल मर गया है ? जहाँ भूख और बीमारियों से लड़कर भी मनुष्यों के बालकों में क्रांति को चिरजीवी रखने का अपराजित साहस है, वह राष्ट्र कभी भी नहीं मर सकेगा । हड्डी-हड्डी से लड़ने वाले यह योद्धा जीवन की महान शक्ति को अभी तक अपने में जीवित रख सके हैं । संसार कहता है, स्टालिनग्राड में लोग

खंडहरों में से लड़े थे और उन्होंने दुश्मन के दाँत खट्टे कर दिए । उन्होंने बर्बरता की धारा को रोक कर रूस को गुलाम होने से बचा दिया । किन्तु मैं पूछता हूँ क्या शिद्धिरगंज दूसरा स्टालिनग्राड नहीं ?

(ख) वह समस्या तो कभी की हल हो गई, मुनिवर ! नर्क में पिछले सालों में बड़े गुणी कारीगर आ गए हैं । कई इमारतों के ठेकेदार हैं, जिन्होंने पूरे पैसे लेकर रद्दी इमारतें बनाईं । बड़े-बड़े इंजीनियर भी आ गए हैं, जिन्होंने ठेकेदारों से मिलकर भारत की पंचवर्षीय योजनाओं का पैसा खाया। ओवरसीयर हैं, जिन्होंने उन मजदूरों की हाजिरी भरकर पैसा हड़पा, जो कभी काम पर गए ही नहीं । इन्होंने बहुत जल्द नर्क में कई इमारतें तान दी हैं ।

अथवा

सत्य तो निर्मम होता ही है, कठोर भी । सत्य किसी को क्षमा नहीं करता । जो सत्य को भूलता है, जो उसका निरादर करता है, जो उसके आगे नहीं झुकता, उसको उसका अनिवार्य दुष्परिणाम भोगना पड़ता है—कोई बचाव नहीं । पूजा तो हिंदू काव्य है । वास्तव में पूजा का ध्येय सत्य के महत्व को बताना और उसे स्वीकार करना है ।

2. (क) किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4×5

(*i*) अध्यापक पूर्ण सिंह ने मजदूरी को भक्ति के समान क्यों माना है ? विवेचन कीजिए ।

(*ii*) भारतीय संस्कृति को समझने के लिए शास्त्र की अपेक्षा लोकमन को समझने की आवश्यकता क्यों है ? स्पष्ट कीजिये ।

(*iii*). अकाल-सहायता-कार्यों में प्रशासन का कैसा चेहरा लोगों के समक्ष आया ? उदाहरण सहित लिखिए।

(*iv*) बिबिया कितनी बार और किन-किन लोगों से ब्याही गई ?

(*v*) बुधिया के चरित्र की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(*vi*) 'सूखी डाली' शीर्षक की सार्थकता लिखिए ।

(*vii*) पश्चिम के आलोचकों में ब्रेख्त के बारे में विवाद का विषय क्या रहा है ? विवेचन कीजिए ।

(ख) किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4×2

(*i*) गजाधर बाबू की परिवार से वापसी का क्या अर्थ है ?

(*ii*) नारायण की सुख-सुविधा का ख्याल परिवार में कैसे रखा जाता है ?

(*iii*) ठाकुर के चरित्र की **दो** विशेषताएँ लिखिए ।

(*iv*) संयुक्त परिवार के टूटने के क्या कारण हैं? सूखी डाली एकांकी के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

(*v*) भोलाराम का जीव यमलोक क्यों नहीं पहुँचा ?

(*vi*) मनुष्यसंसार का नियामक तत्त्व कौनसा है ?

(*vii*) पश्चिमी ढंग के मशीनीकरण का क्या विकल्प है ?

3. किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 12

(*i*) जालपा ने रमा से कभी दिल खोलकर बात न की थी। वह इतनी विचारशील है, उसने अनुमान ही न किया था । वह उसे वास्तव में रमणी ही समझता था। अन्य पुरुषों की भाँति वह भी पत्नी को इसी रूप में देखता था । वह उसके यौवन पर मुग्ध था। उसकी आत्मा

का स्वरूप देखने की चेष्टा ही न की । अगर वह रूप-लावण्य की राशि न होती, तो कदाचित् वह उससे बोलना भी पसंद न करता । उसका सारा आकर्षण, उसकी सारी आसक्ति केवल उसके रूप पर थी । वह समझता था, जालपा इसी में प्रसन्न है ।

(*ii*) अगर तुम सख्तियों और धमकियों से इतना दब सकते हो, तो तुम कायर हो । तुम्हें अपने को मनुष्य कहने का अधिकार नहीं । लोगों ने हँसते-हँसते सिर कटा लिए हैं, अपने बेटों को मरते देखा, कोल्हू में पेरे जाना मंजूर किया है, पर सच्चाई से जौ-भर भी न हटे । तुम भी तो आदमी हो, तुम क्यों धमकी में आ गये ? क्यों नहीं छाती खोलकर खड़े हो गये, कि हमें गोली का निशाना बना लो, पर मैं झूठ न बोलूँगा । देह के भीतर इसलिए आत्मा रखी गई है कि देह उसकी रक्षा करे । इसलिए नहीं कि उसका सर्वनाश कर दे ।

(*iii*) उम्र से पहले ही ओढ़ी हुई उसकी समझदारी को कितनी तकलीफ के साथ झेल पाती थी वह । शकुन के हर दुख को अपना दुख और उसकी हर कही-अनकही इच्छा को एक आदेश-सा बना लेने की बंटी की मजबूरी ने शकुन को अपनी ही नजरों में अपराधी बनाकर छोड़ दिया था। दिन में दो-चार बार पापा की बात करने वाले बच्चे ने कैसे इस शब्द को काटकर फेंक दिया था ..... शब्द को ही नहीं, अजय के भेजे खिलौने, उसकी तस्वीर तक को अलमारी में बंद कर दिया था । बिना शकुन के चाहे या कहे भी वह उसे प्रसन्न करने का हर भरसक प्रयत्न करता रहता था और कैसे शकुन का कष्ट बढ़ते-बढ़ते असह्य-सा हो गया था ।

(*iv*) मनुष्य जब अपने भीतर ही भीतर बहुत गिल्टी महसूस करता है तो तर्क से वह अपने को जस्टिफाई करता रहता है ..... अपने हर गलत काम को जस्टिफाई करता रहता है । न करे तो इतना अपराध बोझ ढोकर वह जी नहीं सकता । जहाँ जस्टिफिकेशन है, वहाँ गिल्ट है । तो क्या उसके अपने मन में भी कोई गिल्ट है ? इतनी देर से तर्क दे-देकर वह अपने हित की दुहाई देकर कहीं वह अपने किसी गलत काम को ही तो सही सिद्ध नहीं कर रही ?

4. किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : 12

(*i*) गबन का सर्वाधिक सशक्त पात्र कौन है और क्यों ? उसके चरित्र की विशेषताएँ लिखिए ।

(*ii*) 'गबन' उपन्यास किन-किन सामाजिक समस्याओं को लेकर लिखा गया है । सोदाहरण उत्तर दीजिए ।

(*iii*) पारिवारिक विघटन के परिणामस्वरूप बालमन पर पड़ने वाले प्रभाव को 'बंटी' के माध्यम से स्पष्ट कीजिए।

(*iv*) शकुन का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

5. हिंदी कहानी **अथवा** उपन्यास की विकास-यात्रा का परिचय दीजिए। 12

6. हिंदी निबंध **अथवा** रिपोर्ताज के विकास का परिचय दीजिए । 12